P.G.1st Semester
C.C.7.- Concept of Management
Unit 1 –Management as a system
Topic – Limitations of Planning,
Importance of Organisation,
Characteristics of Controlling

Dr. Deepika Taterway
Assistant Professor
Guest Faculty
Dept. Of Home Science
M.M.C. ,Patna University,Patna

Limitations of Planning पारिवारिक वातावरण सुखद शांतिपूर्ण एवं उल्लास में रहता है परिवार में प्रेम सौहार्द एवं एकता का भाव बना रहता है।

नियोजनकी सीमाएं

नियोजन की मुख्य सीमाएं निम्नलिखित रुप से हैं–

1. **सर्वोत्तम विकल्प के चयन में परेशानी**
2. **समस्याओं को पहचान कर उन्हें परिभाषित करने में अड़चन एवं कठिनाई**
3. **समय शक्ति व धन का अपव्यय**
4. **विश्वास युक्त सूचना और तथ्यों आदि के संकलन में कठिनाई**
5. **अरुचिकर उबाऊ एवं अवसाद पूर्ण कार्य**
6. **दूरदर्शिता का अभाव**
7. **अपर्याप्त मानसिक व बौद्धिक क्षमता**
8. **कल्पना शक्ति का अभाव**
9. **आकस्मिक घटनाएं।**

Importance of Organisation

संगठन का महत्व

घर को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक ग्रहणी को कुशलता पूर्वक 3 कार्यों का मातृ योजना बना लेना ही काफी नहीं है बल्कि उसे सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने के लिए विभिन्न क्रियाकलापों को संयोजित करना भी आना चाहिए। इसके लिए परिवार के सदस्यों का सहयोग लेना अनिवार्य है।

संगठन के निम्न महत्व है: -

1. प्रबंधकीय कार्यक्षमता में वृद्धि करना
2. विभिन्न क्रियाओं का आनुपातिक एवं संतुलितमहत्व
3. भ्रष्टाचार को रोकना
4. समन्वय को सुविधाजनक बनाना
5. प्रबंधकों के विकास एवं प्रशिक्षण में सहायता देना
6. मनोबल आत्मविश्वास को बढ़ाने में
7. पत्नी के विचारों का अनुकूलतम उपयोग।

Characteristics of Controlling

नियंत्रण की विशेषताएं

1. नियंत्रण एक प्रबंध किएकार्य है –प्रबंध के अंतर्गत देखा जाता है कि वर्तमान कार्य पूर्व निर्धारित समय एवं योजना के अनुसार चल रहा है या नहीं।

2. नियंत्रण एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है – व्यक्ति जीवन पर्यंत लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु योजनाएं बनाता है वह उसे क्रियान्वित करता है पूर्णविराम यदि क्रियान्वयन में कहीं किसी कारणवश बाधाएं आती हैं तब उसे सुधारा जाता है तथा कार्य पुनः प्रारंभ किया जाता है। इस दृष्टि से निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

3. नियंत्रण पक्षियों पर आधारित होता है - नियंत्रण व्यक्तिगत मान्यताओं एवं भावनाओं पर आधारित ना होकर तथ्यों पर आधारित होता है।

4. नियंत्रण एक संपूर्ण पद्धति है - इसके द्वारा योजनाओं को क्रियान्वित करने उन्हें कुशलतापूर्वक संपन्न करने एवं साधनों को संरक्षित करने में सहायता मिलती है।

5. नियंत्रण हस्तक्षेप सेअलग है - हस्तक्षेप से अलग हैहै क्योंकि हस्तक्षेप से कार्य की गति में बाधा उत्पन्न होता है तथा प्रतिबंधित किया जाता है। जबकि नियंत्रण मार्गदर्शक होता है। इसके द्वारा कार्य करने में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाता है। त्रुटियों को ज्ञात किया जाता है एवं उन्हें आवश्यक सुधार किया जाता है।

6. नियंत्रण सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों होता है - समय एवं परिस्थिति के अनुसार योजना में परिवर्तन करने की संभावना रहती है ताकि लक्ष्य प्राप्ति विचलित ना होने पाए।

7. यह प्रबंध के सभी स्तरों पर लागू होता है।

8. नियंत्रण नियोजन पर आधारित है - नियोजन के अभाव में नियंत्रण का कोई अस्तित्व नहीं है। नियोजन द्वारा भावी क्रियाओं एवं उनके प्रभाव को निर्धारित किया जाता है जबकि नियंत्रण का कार्य है देखना होता है कि कार्य निर्धारित किया एवं प्रभावों के अनुसार हो रहा है या नहीं।

9. नियंत्रण का क्षेत्र व्यापक है - नियंत्रण का क्षेत्र व्यापक है क्योंकि नियंत्रण में केवल मानवीय क्रियाएं काहे नहीं अपितु सामग्री यंत्र पूंजी उत्पादन क्रय विक्रय आदि सभी पर किया जाता है।

Objectives of Evaluation

मूल्यांकन के उद्देश्य

लेविन ने मूल्यांकन के मुख्य चार उद्देश्य बताएं हैं जो निम्नलिखित रुप से हैं :-

1. यह देखना कि क्या प्राप्त हो चुका है (To see what has been achieved)
2. अगली योजना के लिए आधार के रूप में प्रयोग में लाना (To serve as a basis to the next plan.)
3. संपूर्ण योजना को संशोधित करने के लिए आधार प्रस्तुत करना ((To serve as identifying the all over plan.)
4. नहीं अंतर्दृष्टि प्राप्त करना (To gain new general insight.)